सरकारी संस्थानों में छात्रों की कम उपस्थिति से कुलपति नाराज

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल (यूटीयू) के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने शुक्रवार को ओल्ड मसूरी रोड राजपुर, देहरादून स्थित आईसीएम (इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट) और गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट पटेलनगर, देहरादून का एकैडमिक औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के दौरान दोनों संस्थानों की शैक्षणिक व्यवस्था की खामियों को देख कर कुलपति ने सख्त नाराजगी जताई।

कुलपति ने शुक्रवार को सबसे पहले विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सरकारी संस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट,जहां पर एमबीए पाठ्यक्रम संचालित होता है के औचक निरीक्षण के दौरान शैक्षणिक व्यवस्थाओं की स्थिति को देखा तो संस्थान में छात्रों की संख्या बहुत ही कम पायी गयी।जो छात्र कक्षाओं में मिले भी तो उनकी उपस्थिति का रिकार्ड संस्थान के पास उपलब्ध नहीं पाया गया। विश्वविद्यालय एकैडमिक कैलेण्डर के अनुसार 23 जनवरी से शुरू हुए सम सेमेस्टर की कक्षाओं में शिक्षकों द्वारा पढ़ाये जा रहे विषयों की जानकारी कुलपति द्वारा लेनी चाहिए तो छात्र कोई उत्तर नहीं दे पाये। कुलपति द्वारा शिक्षकों से छात्रों की प्रति दिन ली जाने वाली उपिस्थति का रिकार्ड मांगा गया तो संस्थान में मौजूद शिक्षक वह रिकार्ड प्रस्तुत नहीं कर पाये। इस अव्यवस्थित शैक्षणिक महौल को दुरूस्त करने के सख्त निर्देश संस्थान को दिये गये।

उपस्थिति पंजिका का अवलोकन करते यूटीयू के कुलपति प्रो.ओंकार सिंह

वहीं दूसरी ओर गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट पटेलनगर, देहरादून की स्थिति कुछ अलग नहीं थी। वहां पर छात्रों की उपस्थिति पंजिका तो बनायी गयी थी,लेकिन उक्त उपस्थिति पंजिका में किसी छात्र की उपस्थिति दर्ज नहीं पायी गयी। यहां तक कि उपस्थित कतिपय छात्रों की उपस्थिति भी रजिस्टर में अंकित नहीं थी। कुलपति ने अपने सामने ही गैरहाजिर सभी विद्यार्थियों की अनुपस्थिति शिक्षकों द्वारा दर्ज करायी गई। उक्त अव्यवस्थाओं से नाराज होकर कुलपति ने भविष्य के लिए सख्त हिदायत देते हुए कहा कि आगामी सरप्राइज विजिट में सम्पूर्ण शैक्षणिक वातावरण व्यवस्थित मिले। अन्यथा की स्थिति में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रहित में की जानी वाली कार्रवाई के लिए संस्थान स्वयं जिम्मेदार होंगे।